



अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

शुक्रवार 16 जनवरी 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट



एगजिट पोल में बड़ा झटका

जनता को पसंद नहीं आई उद्धव-राज ठाकरे की जोड़ी?

महाराष्ट्र
बीएमपीसी समेत महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिका को चुनाव के लिए गुरुवार (15 जनवरी) को वोटिंग हुई. मतदान खत्म होने के बाद बीएमपीसी चुनाव को लेकर एग्जिट पोल के नतीजे भी सामने आ गए हैं. ज्यादातर एग्जिट पोल में बीजेपी बढ़त मिलने का अनुमान लगाया गया है. वहीं ठाकरे ब्रदर्स को हार का लगाया दिख रहा है.

बीएमपी चुनाव में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने हाथ मिलाया था लेकिन एजिट पोल के अनुसार का मुताबिक दोनों की एकजुटता के कोई खास फायदा होता नजर नहीं आ रहा है. नतीजे शुक्रवार (16 जनवरी) को घोषित किए जाएंगे. वोटों की गिनती सुबह 10 बजे से शुरू होगी.

हुए चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे मराठी मतदाताओं को एकजुट करने के लिए साथ आए. इस चुनाव में विपक्षी कांग्रेस ने मुंबई में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए एमपीए के अपने सहयोगियों शिवसेना और शरद पवार की NCP (एसपी) का साथ छोड़कर अलग रह अपनाई.

इख़द सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है. वहीं उद्धव ठाकरे की अनुयायी वाला गटबंधन 62 सीट पर सिमत सकता है. वहीं अगर बात कांग्रेस की अनुयायी वाले गटबंधन की करें तो कांग्रेस का ये गटबंधन 20 सीटों पर सिमतदा दिखाए दे रहा है जबकि अन्य के खाते में 7 सीटें जा सकती

BMC पर राज के लिए 114 सीटों की जरूरत बीएमसी में 227 वार्ड हैं। मेयर बनाने के लिए 114 सीट चाहिए. अविभाजित शिवसेना ने देश के सबसे अगर नगर निकाय बीएमसी पर 25 सालों तक राज किया है. 16 जनवरी को फाइनल नतीजे घोषित किए जाएंगे. उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) वैसे महाविकास आघाड़ी का हिस्सा है. लेकिन बीएमसी चुनाव में दो दशक पहले अलग कांग्रेस ने राज्य की राजधानी में प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी और राष्ट्रीय समाज पक्ष से हाथ मिलाया. जनमत पोल्स के एग्जिट पोल के नतीजे जनमत पोल्स के एग्जिट पोल में भी बीजेपी की अयुवाई वाली महायुक्ति की सरकार बनती दिख रही है. इस सर्वे में बीजेपी और शिवसेना के गठबंधन को 138 सीट मिलने का अनुमान है. बड़ी बात ये है कि **BMC** में इस बार हैं. **JVC** एग्जिट पोल के नतीजे क्या? **JVC** एग्जिट पोल के नतीजों के मुताबिक बीएमसी चुनाव में बीजेपी और शिवसेना को 138 सीटों पर जीत मिलने का अनुमान लगाया गया है. उद्धव ठाकरे की शिवसेना और उसके सहयोगी को 59 सीटों पर जीत हासिल हो सकती है. कांग्रेस और गठबंधन के सहयोगी को 23 सीटों पर बढ़त मिलने की संभावना जताई गई है।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी महिला विंग की जिलाध्यक्ष गुंजन सिंह ने किया। उनके साथ बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं। यहां अस्पताल में भर्ती महिलाओं को दूध, ब्रेड, फल और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित किया। इस पहल का उद्देश्य महीना और उनके परिजनों को यह अहसास कराना था कि समाजवादी पार्टी उनके सुख-दुख में साथ खड़ी है।

ग्वालियर/भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार ग्वालियर में श्रवण वाले वाहनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क एवं रोड टैक्स में छूट देने का निर्णय में महत्वपूर्ण सहयोग के लिए मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, आर्टीमोबाइल डीलर एसोसिएशन, ग्वालियर मेंलगाया। व्यापारी संघ, कोफेडरेशन और ऑल इंडिया ट्रेडर्स ग्वालियर में प्रतिनिधिमंडल ने कैदीय संचार एवम पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय

ग्वालियर/भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार ग्वालियर मेले में विकने वाले वार्डन पं. रजिस्ट्रेशन शुल्क एवं रोड टैक्स में छूट देने के निर्णय में महत्वपूर्ण सहयोग के लिए मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन, ग्वालियर मेला व्यापारी संघ, कोफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ग्वालियर के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर मुख्यमंत्री के समक्ष यह प्रस्ताव रखने और पत्र लिख यह आग्रह करने पर आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह निर्णय न केवल व्यापारियों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि इससे ग्वालियर-चंबल अंचल में व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा मिलेगी। व्यापार मेला बनेगा आर्थिक गतिविधियों का केंद्र प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि

ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर
मुख्यमंत्री के समक्ष यह प्रस्ताव
रखने और पत्र लिख यह आग्रह
करने पर आंधार व्यक्त किया।
प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह
निर्णय न केवल व्यापारियों के लिए
राहत लेकर आया है, बल्कि इससे
गतिविधय-चंबल अंचल में व्यापार,
रोजगार और आर्थिक गतिविधियों
को भी नई ऊर्जा मिलेगी।
व्यापार मेला बनेगा आर्थिक
गतिविधियों का केंद्र
प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि



जिससे स्थानीय व्यापारियों
ऑटोमोबाइल डीलर्स और सहायक
उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह

निर्णय उपभोक्ताओं के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। चैंबर ऑफ कॉमर्स में पधारने का दिया आमंत्रण इस अवसर पर मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय मंत्री सिंधिया को चैंबर ऑफ कॉमर्स में पधारने का औपचारिक आमंत्रण भी दिया। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में व्यापारिक समुदाय को भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग मिलता रहेगा।

प्रक्रियाओं में पारदर्शिता- तरवकी का भरोसा

उत्तर प्रदेश
उत्तर प्रदेश, जिसे कभी 'बीमार' राज्य की श्रेणी में गिना जाता था आज भारत की \$1 ट्रिलियन व अर्थव्यवस्था बनने की दिशा तेजी से अग्रसर है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व राज्य ने Ease of Doing Business (EoB) रैंकिंग में लंबी छलांग लगाते हुए देश में दूसरा स्थान हासिल किया है और अब कई श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' बना हुआ है. उत्तर प्रदेश की इस सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ डिजिटारिफॉर्म का है।

શ ના માનને
ધા નિશાના

संभल पुलिस पर कोर्ट के आदेश ना मानने का आरोप, अखिलेश ने साधा निशाना

संभल
उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले दिनों सीजेएम कोर्ट ने दो मामलों में पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश संभल पुलिस को दिए थे. मगर कोर्ट के आदेश के बावजूद भी अभी तक आरोपी पुलिसकर्मियों पर संभल पुलिस ने कोई केस दर्ज नहीं किया है, जिसे लेकर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री जेएनएचआर अध्यक्ष अखिलेश यादव ने टवीट कर संभल पुलिस पर निशाना साधा है.

कोर्ट का 19 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कराना का आदेश इसमें पहला मामला बढ़ाया निवासी ओमवीर नारायण के एक व्यक्ति का है.

जिसे संभल पुलिस ने लुटेरा बता कर फर्जी मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. लेकिन पुलिस अब खुद इस मामले में बुरी तरह फंस गई है, क्योंकि पुलिस ने जिस समय ओमवीर पर लूट की वारदात दिखाई थी, उस वक्त वह अन्य मामले में जेल में बंद था. जिसके बाद मामला कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने थाना अध्यक्ष सहित 19

पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे. लेकिन 20 दिनों बाद भी संभल पुलिस ने आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है. वहीं दूसरा मामला संभल हिंसा से जुड़ा है.

संभल हिंसा के दौरान आलम नामक युवक को गोली मारने के मामले में सीजेएम कोर्ट ने तीन दिनों पहले ही तत्कालीन सीओ अनुचौधरी समेत 15-20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था. लेकिन संभल के एसपी विश्वनोब हवालें सी मीडिया में खबर आई कि उन्होंने साफ कह दिया है.

कोयले से किनारा-सूरज का सहारा

सौर ऊर्जा से जगमगा रहा यूपी, हरित क्रांति का हुआ आगाज

जालौन: यहां 1,200 मेगावाट क्षमता का विशाल सोलर पार्क विकसित किया जा रहा है, जो उत्तर भारत के सबसे बड़े पार्कों में से एक होगा।

कानपुर और प्रयागराज: बुंदेलखंड के अलावा कानपुर नगर, कानपुर देहात और प्रयागराज में भी सोलर पार्कों के लिए जमीन और निवेश की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

निवेश और रोजगार के नए अवसर

उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 7.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। ये सोलर पार्क न केवल पर्यावरण को बचाने में मदद कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर

अभिषेक तिवाड़ी की सक्रिय भूमिका नगरी नेतृत्व, संस्कार और संगठनात्मक संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण बनी। यह आयोजन भले ही चुनौती मंच ना रहा हो लेकिन इसका संदेश पूरी तरह स्पष्ट था कि शिवसेना अब उन्नत प्रतर प्रवेश संगठनात्मक रूप से सशक्त, रणनीतिक रूप से सजग और राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कार्यक्रम में महासचिव लल्लन दुबे, बरा राय प्रमुख मेहेल कामराकर, उपराज्य जिला प्रमुख अर्जुन पंडित, लखनऊ जिला प्रभारी आनंद राय, ललितपुर जिला प्रमुख राकेश नामदेवकर और जौनपुर जिला प्रमुख नागेश दुबे सहित कई अन्य वरिष्ठ नादेशीकारी गण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मोदी सरकार एसआईआर के नाम पर लोकतंत्र पर पहुंचा रही चोट : प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उभनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि एसआईआर के जरिए भाजपा आयोग से मिलीभगत कर लोकतंत्र पर चोट पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि गरीब और कमजोर तबके के लिए मनरेगा योजना वरदान साबित हुई थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा आजीविका सुरक्षा गारण्टी में अधिनियम को हटाकर इसे सामान्य अन्य योजनाओं की तरह अब ले आयी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मातृविकार की छीनना और मजदूरों के हाथ से काम के सुरक्षित अधिकार वापस लेना भाजपा का सबसे बड़ा छल व कपट है। गुरूवार को सांगीपुर में मासुधायिक भवन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित एसआईआर तथा मनरेगा परिचर्चा में बोलते हुए सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एसआईआर की समय



सीमा इसलिए साल दो साल करने का सुझाव दिया था कि देश का एक भी सही मतदाता मातृाधिकार से वंचित न रह सके। उन्होंने बतौर उद्घाहरण कहा कि अकेले उत्तर प्रदेश मे ही पौने तीन करोड़ मतदाताओं का नाम एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से हटया गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजा और रंक का वोट संविधान में बराबरी का दर्जा रखता है। उन्होंने कहा कि भाजपा को संविधान में गरीब से गरीब को

लोकतांत्रिक अधिकार मिलना कभी भी पसन्द नहीं आया। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर बनाने का खतरनाक इरादा लिए हुए है। उन्होंने कहा कि स्वायत्तशापी संवैधानिक संस्थाएं आज मोदी सरकार के इशारे पर अपनी स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता व विश्वसनीयता खोती जा रही है। वही उन्होंने मनरेगा योजना को बंद करने के मोदी सरकार के फैसले को गरीब मजदूर के साथ सबसे बड़ा

नहर में बह रहे दर्जनों मवेशियों के शव पुल में आकर फंसे

पट्टी। तहसील क्षेत्र से गुजरी शारदा सहायक खंड 36 नहर में दर्जनों की संख्या में मृत मवेशियों के शव उतरा रहे है, जिनमें से कई शव तो यहां मौजूद पुल में आकर फंस गए हैं जिससे ग्रामीणों ने संक्रमण फैलने का अंशंशा जताया है। ग्रामीणों का कहना है नहर में दर्जनों की संख्या में मृत मवेशियों के शव उतरा रहे है, जिनमें से कई शव तो यहां मौजूद पुल में आकर फंस गए है। यह मृत मवेशी कहां से बहकर आए हैं इसका पता नहीं चल सका है, लेकिन इनकी वजह से ग्रामीण बेहद परेशान है। दर्जनों मवेशियों के शवों से उठती दुर्गंध और दूषित होते पानी की वजह से संक्रमण फैलने का खतरा भी बन आया है। इन मवेशियों में सांड, सूअर, गायों के शव शामिल हैं। इन शवों की वजह से नहर का प्रवाह भी बाधित हो रहा है, लेकिन नहर विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। हर वर्ष विभाग नहरों की सफाई पर लाखों रुपये खर्च करता है, जिससे इसके प्रवाह को निरंतर बनाए रखा जा सके, लेकिन पिछले दो दिन से मवेशियों के शव इस नहर में

बहते हुए नजर आ रहे हैं। इनकी संख्या बेहद ज्यादा हैं खसबात यह है कि इनमें से दर्जनों शव यहां पटा पुल के पास आकर रुक गए है। इनमें से कई मवेशियों के शव तो पुल में जाकर फंस गए है। इसके अलावा दर्जनों शव इसमें बहने वाले कचरे के ऊपर पुल के नीचे उतरा रहे है। अभी तक यहां नहर विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि नहर में बाधा आने के तुरंत बाद ही कार्रवाई की जानी चाहिए थी। दरअसल शवों के बीच से पानी धीरे-धीरे बह रहा है। इसलिए यह रूकी नहीं है। लेकिन बहाव के चलते यह अन्य शव जो उतरा रहे है वह भी पुल के नीचे जा सकते है। जिससे नहर का पानी रूक सकता है। ऐसे में दबाव के चलते नहर क्षतिग्रस्त होने का खतरा भी बना हुआ है। जिससे नहर के आसपास के सैकड़ों बीघा खेती पर भी खतरा मंडरा रहा है। इस समय नहर पूरी भरकर चल रही है। ऐसे में इन मवेशियों की वजह से बाधित हुई तो किसानों के लिए मुसीबत खड़ी हो जाएगी।

मुसहर बस्ती में गरीब परिवारों को सोलर लैंप का किया वितरण

अखंड भारत संदेश

पट्टी। जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से तरुण चेतना द्वारा संचालित स्कूल पूर्व पोषण शिक्षा केन्द्र के माध्यम से नेवादा, रमईपुर दिशिनी, कंजा एवं ढिडुई स्थित मुसहर बस्ती में अति गरीब परिवारों के पचास परिवारों को सोलर लैंप वितरित किए गए।इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंधेरे में जीवन व्यतीत कर रहे जरूरतमंद परिवारों को प्रकाश के सुखीया उपलब्ध कराना तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पृथ्वीगंज चैकी प्रभारी, अजय कुमार अंचल उपस्थित रहे।उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सोलर लैंप जैसी पहल गरीब परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी है, जिससे इसके उपयोग से, महिलाओं की सुरक्षा और दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ती है। उन्होंने तरुण



चेतना द्वारा किए जा रहा समाजिक कार्यों की सराहना की। तरुण चेतना के निदेशक नसीम अंसारी ने अपने उद्घोषन में कहा कि संस्था निरंतर वंचित एवं हाशिए पर रहने वाले समुदायों के विकास के लिए कार्य कर रही है। सोलर लैंप वितरण से न केवल ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि स्वच्छ और सुरक्षित रोशनी भी उपलब्ध होगी।अंसारी ने कहा कि गरीब परिवार के चेहरे पर मुस्कान

लाना ही तरुण चेतना का उद्देश्य है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सह निदेशक हकीम अंसारी, अच्छेलाल बिंद, शहीद अहमद, श्याम शंकर शुक्ला, मुर्जान्मिल, शकुंतला, कमलेश वनवासी, खुशबू वनवासी, अर्चना वनवासी सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा। संस्था ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया।

दिव्य कला प्रदर्शनी का आयोजन 19 को

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित राज्य निधि के अन्तर्गत दिनांक 19 जनवरी 2026 को दिव्य कला प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन श्रीराम वाटिका चिलबिला प्रतापगढ़ में पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक किया जायेगा। प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों द्वारा किये गये अविष्कार, उत्पादन एवं अन्य प्रकार की उपलब्धियों से सम्बन्धित पोस्टर, चित्रकला, विशिष्ट सामग्रियों इत्यादि की प्रदर्शनी लगायी जायेगी। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने तथा सामान्य जनमानस में सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी।

विश्वासाघात करार दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारण्टी योजना में देश भर के मजदूरों को काम की संवैधानिक गारण्टी मिली हुई थी। उन्होंने कहा कि डॉ0 मनमोहन सिंह की सरकार के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण फैसले को पलटने के लिए भाजपा को गरीब मजदूर कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया महात्मा गांधी के विचारों को स्वीकार कर रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने सवालिया अंदाज में कहा कि आखिर भाजपा को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से आखिर इतनी चिढ़ क्यों है। उन्होंने कहा कि गोइसे की विचारधारा को मानने वाली विचारधारा योजनाओं से महात्मा गांधी का नाम हटाकर गांधीवाद को जरा सा भी कमजोर नहीं कर पाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं व मनरेगा योजना को बंद करने और एसआईआर के नाम पर भाजपा के अलोकतांत्रिक हथकण्डे को जनता के बीच पहुंचाने का आह्वान किया।

कुटिलिया प्रीमियर लीग का हुआ भव्य आयोजन



अखंड भारत संदेश

कुंडा। बाबागंज विकास खंड के रायगढ़ कुटिलिया रहवई में आयोजित कुटिलिया प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें गुरवार को मुख्य अतिथि के रूप में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के वरिष्ठ पदाधिकारी समाजसेवी पूर्व प्रधान कुंवर मुनू सिंह ने शिरकत की। उन्होंने फीता काटकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया और क्रिकेट के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।कुंवर मुनू सिंह ने अपने संबोधन

में कहा कि क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो न केवल युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है बल्कि उनके मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं और देश का नाम रोशन कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इस टूर्नामेंट को जनपद स्तर का भव्य आयोजन बनाया जाएगा, जिसका अनावरण राजा भइया द्वारा किया जाएगा।टूर्नामेंट में कुटिलिया रहवई की टीम ने पहले बल्लेबाजी

करते हुए 6 ओवर में 59 रन बनाए, जिसे अमित 11 ने चार ओवर में 10 विकेट से जीत लिया।टूर्नामेंट के आयोजक शिवम पांडेय, रितिक पांडेय, नूर घोसी, और राहुल पांडेय ने बताया कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना और उनकी प्रतिभा को निखारना है।इस दौरान ओम प्रकाश पांडेय कोटेदार, ज्ञानू सिंह, उमेश कुमार, वसीम अहमद, नईम घोसी, नूर घोसी, हाफिज अक़म, उत्तम सिंह, पीयूष सिंह, सचिन केसरवानी रायगढ़ आदि लोग मौजूद रहे।

श्रृंखला के फाइनल मुकाबले में क्रीड़ा भारती ने डॉक्टर्स 11 को हरा बनी विजेता



प्रतापगढ़। समरसता दिवस के मौके पर सद्भावना कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सेफ फो क्रिकेट एकेडमी नियामक के ग्राउंड पर क्रीड़ा भारती एवं डॉक्टर्स 11 के मध्य खेला गया। क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष ध्रुव शर्मा ने किया। टॉस जीतकर डॉक्टर्स 11 ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। डॉक्टर्स 11 ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर के मैच में 7 विकेट खोकर 136 रन पर धराशायी हो गए। और डॉक्टर आशुतोष सिंह के बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर डॉक्टर्स 11 की टीम सम्मान

जनक स्कोर प्राप्त किया। इसके बाद क्रीड़ा भारती की टीम ने बल्लेबाजी करने उतरी तो रन का पीछा करते हुए क्रीड़ा भारती टीम की शुरूवात अच्छी नहीं रही,लेकिन तेज प्रताप और अभिषेक के शानदार बल्लेबाजी के दम पर तीन गेंद शेष रहते हुए एक विकेट से मैच जीत कर क्रीड़ा भारती की टीम विजेता बनी।टीम के कप्तान दुष्यंत सहित पूरी टीम ने विजेता ट्रॉफी प्राप्त किया। श्रृंखला में वेस्ट बॉलर का पुरस्कार अजीत , बेस्ट बल्लेबाजी अभिषेक व मैन ऑफ द मैच तेज प्रताप ने प्राप्त किया।

बच्चों के विवाद में वृद्ध महिला से मारपीट

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के महहदा गांव निवासी वृद्ध महिला सुरजन देवी ने बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर पड़ोसियों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बृहस्पतिवार दोपहर को कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की।पीड़िता के अनुसार बच्चों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान पड़ोसियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान वृद्ध महिला घायल हो गई।घटना के बाद आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घायल अवस्था में पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज झरोखा

वाॅलीबाल प्रतियोगिता में रेहुआ लालगंज की टीम बनी विजेता

प्रतापगढ़। मकर संक्रान्ति पर्व को लेकर विकासखण्ड सांगीपुर क्षेत्र के रेहुआ लालगंज में पारंपरिक मेला व वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मेले में पहुंचे ग्रामीणों ने खरीददारी के साथ ही फास्टफूड, चाट, जलेबी आदि का आनन्द उठाया। वहीं वालीबाल प्रतियोगिता में रेहुआ लालगंज, बलीपुर, पूरे वल्दी अगई एवं रायपुर की टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबला रेहुआ लालगंज व रायपुर के बीच खेला गया। जिसमें रेहुआ लालगंज की टीम ने रोमांचक मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल की। आयोजन समिति के पूर्व प्रधान महेन्द्र सिंह ने समाजसेवी दीपक सिंह के साथ विजेता टीम को पुरस्कृत किया। इस मौके पर रामजी, धीरज सोनी, रमेश, सचिन, शैलेन्द्र सिंह, सुनील आदि मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, ठप हुई विद्युत आपूर्ति

प्रतापगढ़। नगर के हाइवे पर लगा ट्रांसफार्मर गुरुवार की सुबह अचानक धू-धू कर जलने लगा। कर्तबवासियों ने इसकी सूचना विद्युत विभाग के साथ ही फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया। ट्रांसफार्मर में लगी आग के चलते ढाई सौ से अधिक घरों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गयी। नगर में वन विभाग कार्यालय के सामने हाइवे किनारे लगा ढाई सौ केवीए का ट्रांसफार्मर सुबह करीब ग्यारह बजे अचानक जलने लगा। इससे तहसील, नेताजीपुरम, वन विभाग कार्यालय समेत ढाई सौ से अधिक घरों में विद्युत आपूर्ति ठप हो गयी। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जेई बसन्तलाल का कहना है कि वन विभाग के आसपास बंदरों की संख्या अधिक होने और इनके तार पर झूलने के चलते शार्टसर्किट से ट्रांसफार्मर जल गया। ट्रांसफार्मर का मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। शीघ्र ही विद्युत आपूर्ति बहाल करायी जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया पंडित रमाकांत द्विवेदी का जन्म दिवस

कुंडा। गुरुवार को राम निवास द्विवेदी इंटर कॉलेज पानिगो में स्व० पं० रमाकांत द्विवेदी का जन्म दिवसबेहोलासके के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉं कमलेश मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि संतोष मिश्र ने सरस्वती की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित कर संस्थापक की मूर्ति पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।छोटे बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम से सभी का मन मोह लिया। कक्षा 2 की छात्राए मोहक,गरिमा, रुचि तथा भावना ने युप डांस कर के सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कक्षा 12 की छात्राएं झाली की रानी पर प्रहसन प्रस्तुत करके समाज में लड़कियों के ऊपर हो रहे अत्याचार के ऊपर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कुमार पांडेय, अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी,उपप्रधानाचार्य अरुणेश त्रिपाठी,विकास मौर्य, मनीष पांडे, सुनील मिश्र, नवनीत सिंह, अभिषेक त्रिपाठी, दिपाल शुक्ल,दिलीपा त्रिपाठी, अनुप,विवेक, श्रीमती सुनीता,मंजू,नीलम,समीक्षा, रिया, स्वती तथा च्यादी देवी महाविद्यालय मानिकपुर के हिंदी प्रवक्ता डॉं सूर्य नाथ पांडेय आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर बुजुर्गों को बाटे कबल

पट्टी। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत दुबौली सुखऊ में ग्राम प्रधान वंदना सिंह के प्रतिनिधि विजय सिंह द्वारा ग्राम सभा के बुजुर्गों को कबल वितरित कर सम्मानित किया गया। कड़ाके की ठंड में कबल पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी।कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधि विजय सिंह ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं और उनकी सेवा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। ग्राम प्रधान वंदना सिंह के निर्देश पर ठंड के मौसम में जरूरतमंद व बुजुर्गों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है।कबल पाकर बुजुर्गों ने ग्राम प्रधान और उनके प्रतिनिधि के प्रति आभार व्यक्त किया और इस पहल को सराहनीय बताया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भी इस सामाजिक कार्य की प्रशंसा की।इस अवसर पर देवनारायण सिंह, लाल मनी सिंह, अमर बहादुर यादव, राम अचल सिंह, मान सिंह और शीतला प्रसाद गौड़ सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर समाजसेविका रामपती को किया नमन

प्रतापगढ़। नगर स्थित आल इण्डिया रुरल वार एसोसिएशन एसोसिएसन के प्रधान कार्यालय पर गुरुवार को समाजसेविका रामपती की तीसरी पुण्यतिथि समारोहपूर्वक मनायी गयी। समाजसेविका रामपती संयुक्त अधिकाता संघ लालगंज के अध्यक्ष व बार काउन्सिल ऑफ उत्तर प्रदेश के प्रत्याशी अनिल कुमार तिवारी महेश की मां थीं। संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम में अधिवक्ताओं, समाजसेवियों व क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने स्व० रामपती के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीया रामपती के द्वारा किये गये सामाजिक कार्य सदैव प्रेणास्पद रहेंगे। संवाजन वरिष्ठ अधिकाता अनुप पाण्डेय ने किया। इस मौके पर अर्पित शुक्ल, आदित्य त्रिपाठी, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, दीपक त्रिपाठी, श्याम पटेल, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

संघ ने समरसता भोज का किया आयोजन, सैकड़ों लोग रहे मौजूद



बेलखरनाथ धाम। मकर संक्रांति पर्व पर गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक द्वारा का भोज का आयोजन खिचड़ी में सैकड़ों लोग मौजूद रहे। विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम के अंतर्गत पूरे गुलाब गांव स्थित ब्रहवीर बाबा मंदिर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोग मौजूद रहे।इस दौरान संघ के पदाधिकारी

अशोक सिंह ने सभी हिंदु जातियों को एकता बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता दयाशंकर पांडेय व संचालन अनिल मिश्र ने किया। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारी दीपक सिंह, राकेश मिश्रा , अरुण पांडेय,राज कुमार तिवारी पवन सिंह, रामेंद्र सिंह स्मृति सिंह, अशोक पाण्डेय, शुभम जायसवाल संतोष मिश्रा, डाक्टर मिश्रा ,अनुपम गुप्ता, शिवेंद्र दुबे सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।



सम्पादकीय

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मंडार है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मामूयों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजाज्जत नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरू हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि-

लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।।

बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खाशियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 हज़ार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महत्का अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी। इन विरोध प्रदर्शनों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि आतंकवादियों ने न केवल नागरिकों बल्कि सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है, जिनका उद्देश्य देश को अस्थिर करना है। उनका यह भी कहना है कि सुरक्षाबलों ने जरूरत पड़ने लायक ही कार्रवाई की है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा जाता है।

वेनेजुएला के काले सोने के भंडार पर डोनाल्ड ट्रंप का जोखिम भरा दांव

के रवींद्रन

अर्थव्यवस्था के अलावा, राजनीतिक और सुरक्षा का माहौल निवेशकों के लिए हिफाजत के ट्रंप के भरोसे को परखेगा। निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अचानक हुए सैन्य कार्रवाई और उसके बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर अनिश्चितकाल तक के लिए नियंत्रण के ट्रम्प प्रशासन के दावे की दुनिया भर में कड़ी आलोचना हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खनिज तेल (काला सोना) के मामले में वेनेजुएला पर ज्यादा ध्यान देना, अमेरिकी नीति और वैश्विक ऊर्जा बाजार को बनाने में इस दक्षिण अमेरिकी देश की पेट्रोलियम संपदा की रणनीतिगत अहमियत को दिखाता है। दशकों से, वेनेजुएला के बड़े तेल भंडार, जो कभी उसकी अर्थव्यवस्था की नींव थे, कुप्रबंधन, पाबंदियों और अवसरचंका की कमी की वजह से खराब हो गए हैं। फिर भी ट्रंप के हालिया काम— सुरक्षा का भरोसा देकर दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों से वेनेजुएला लौटने को कहने से लेकर वेनेजुएला के तेल प्रवाह पर अमेरिकी नियंत्रण का दावा करने तक— उन संसाधनों का इस्तेमाल करने की एक सोची-समझी कोशिश दिखाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या यह दांव खनिज तेल उत्पादन को 21वीं सदी के शुरूआती लेवल, लगभग 30 लाख बैरल प्रतिदिन पर वापस ला सकता है? अगर हां, तो कितनी तेज़ी से और किस कीमत पर?

वेनेजुएला के पास किसी भी दूसरे देश से ज्यादा तेल के पक्के भंडार हैं, जिसका अंदाज़ा लगभग 303अरब बैरल है। यह आंकड़ा दुनिया भर के कच्चे तेल के भंडार का लगभग 17 प्रतिशत है, जो बड़े उत्पादक देशों को बहुत पीछे छोड़ देता है और तेल बाज़ारों पर लंबे समय तक असर डालता है। पिछली सरकारों के तहत, जिसमें 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक की शुरुआत भी शामिल है, वेनेजुएला का रोज़ा का कच्चे तेल का उत्पादन 30 लाख बैरल के करीब या उससे ज्यादा था, जिससे यह दुनिया के बड़े खनिज तेल निर्यातकों में से एक बन गया। आज उसका उत्पादन गिरकर 10 लाख बैरल प्रतिदिन से भी कम हो गया है, जो इसकी क्षमता का एक छोटा सा हिस्सा है, जिसे कम निवेश, राजनीतिक उत्थल-पुथल, पाबंदियों, और सरकारी कंपनी पेट्रोलियोसडी वेनेजुएला एस.ए. की खराब हालत ने रोका है।

ट्रंप प्रशासन का तरीका भू-राजनीतिक दबदबे को निजी पूंजी के उनके आग्रह के साथ जोड़ता है। शेयरॉन, एक्सॉन मोबिल और कोनोकोफिलिप्प के कार्यपालक



अधिकारियों के साथ हाल की बैठक में, ट्रंप ने वेनेजुएला की खनिज तेल सम्पदा के साथ बड़े पैमाने पर फिर से जुड़ने को बढ़ावा दिया है, उनके कार्यसंचालन के लिए 'पूरी हिफाजत और सलामती' का वादा किया है, और अमेरिकी सरकार के पूंजी के बिना कम से कम 100 अरब डालर के औद्योगिक निवेश की अपील की है। यह पेशकश खनिज तेल उत्पादन को फिर से शुरू करने की इच्छा और अमेरिकी हितों के लिए अच्छी शर्तों पर वेनेजुएला के कच्चे तेल को वैश्विक बाजार के साथ समेकित करने की इच्छा, दोनों को दिखाती है। यह इस क्षेत्र में चीनी और रूसी प्रभाव का मुकाबला करने सहित बड़े भूराजनीतिक मकसदों को भी पूरा करता है।

हालाँकि, तेल कंपनियों से की गई अपील की नयी-तुली प्रतिक्रिया मिली है। शेयरॉन, जो पीडीवीएसए के साथ संयुक्त उपक्रम के ड्यूरिए वेनेजुएला में चल रहे संचालन वाली एकमात्र बड़ी अमेरिकी कंपनी है, ने अगले 18-24 महीनों में शायद 50 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ाने की तैयारी जताई है, अगर नियामक और संचालन के हालात इजाज्जत देंगे। लेकिन एक्सॉनमोबिल जैसी कंपनियां ज्यादा सावधान रह रही हैं, और उसके नेतृत्व ने वेनेजुएला को बड़े कानूनी और वाणिज्यिक सुधारों के बिना निवेश करने लायक नहीं बताया है। पहले हुई जल्दी और मुआवजे के अनसुलझे दावों ने एक ऐसे देश को बड़ी रकम देने को लेकर डर बनाए रखा है जो लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है।

वेनेजुएला को 1970 के दशक के चरम उत्पादन जैसी स्थिति में वापस लाना सिर्फ एक प्रतीकात्मक उम्मीद से नहीं ज्यादा है। यह आगे आने वाली बड़ी चुनौतियों को दिखाता है। विशेषकों का कहना है कि मौजूदा खनिज तेल क्षेत्रों और पाइप लाइनों में धीरे-धीरे सुधार अरबों डॉलर की पूंजी से किया जा सकता है, जिससे कुछ सालों में उत्पादन कई लाख बैरल प्रतिदिन बढ़ सकता

-ललित गर्ग-

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में ह्रासरप्राइज पैकेजहू कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पदों के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था।

मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन

मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटिया राजनीति, शक्ति-संतुलन और पदों के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान हज़ीरो टॉलरेंसहू की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है।



जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंग्स्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हृदयकिसत भारतहू की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता

और जब नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे ह्याधुनिक राजस्थानहू की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेन्द्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिया। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी ह्रसुशासन, अनुशासन और डिलीवरीहू के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है।

आज राजस्थान में ह्यभजन राजहू का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है।

फासीवाद भैया तेजी से आयी

राजेंद्र शर्मा

बिहार का, जहां सर की प्रक्रिया विधानसभा चुनाव से पहले पूरी करा ली गयी गयी थी और अन्य करीब दस राज्यों का इस प्रक्रिया का अब तक का अनुभव इसका गवाह है कि असम की एनआरसी की तरह, सर प्रक्रिया भी कथित विदेशी घुसपैठियों की पहचान करने में बुरी तरह से विफल ही रही है। और यह वर्तमान सरकार तथा उसके संचालक संघ परिवार के प्रयासों में किसी कमी की वजह से नहीं है। यह सबसे बढ़कर इसलिए है कि घुसपैठ और खासतौर पर बांग्लादेशियों की घुसपैठ, संघ परिवार द्वारा निरंतर प्रचार के जरिए गढ़ा गया एक सांप्रदायिक मिथक है।

नये साल, 2026 में फासीवाद के आगमन की रफ्तार और तेज होती लगती है। कम से कम नये साल के पहले दस-बारह दिनों को देखकर, तो आसार ऐसे ही नजर आ रहे हैं। सब से पहले सर (एसआइआर) यानी मतदाता सूचियों के सघन पुनरीक्षण की सुर्खियों से शुरू कर सकते हैं। सर ही सबसे पहले इसलिए कि इसका सीधा संबंध माताधिकार से बल्कि ठीक-ठीक कहें तो माताधिकार के छीने जाने की हद और उसके स्वरूप से है। और माताधिकार गायब, तो चुनाव भी गायब। और चुनाव ही तो वह आखिरी पर्दा है, जो फासीवादी चेहरे को खुलकर सामने आने से रोकता है। और सर के सिलसिले में नये साल की सबसे बड़ी सुर्खी तो यही है कि उत्तर प्रदेश में ही मसौदा मतदाता सूची में पूरे 2 करोड़ 89 लाख मतदाताओं के नाम कट चुके हैं। यह संख्या उन मतदाताओं की है, जिनके नाम पिछले ही साल इसी राज्य में और इसी चुनाव आयोग की दिशा-निर्देशन में संशोधित की गयी मतदाता सूचियों में मौजूद थे और जो 2024 के आम चुनाव में भी मतदाता था, जिसके नतीजे से नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल में सरकार चला रहे हैं। वैसे तो उत्तर प्रदेश का मामला अन्य दसैक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से खास अलग भी नहीं है, जहां भी अब तक सर नाम की इस प्रक्रिया के पांव पड़े हैं। जैसाकि योगेंद्र यादव समेत इस मामले पर लगातार नजर बनाए हुए अधिकांश विश्लेषणकर्ता शुरुआत से ही कहते आ रहे हैं, इस प्रक्रिया को गढ़ा ही इस प्रकार गया है कि यह मतदाताओं की छंटनी का ही काम करती है। वास्तव में ठीक ऐसा ही होने के डर से, अपवादस्वरूप



असम को सर की प्रक्रिया के दायरे से बाहर रखते हुए, वहां मतदाता सूचियों में सामान्य सुधार ही काफी समझा गया है, क्योंकि वही सत्ताधारी भाजपा के राजनीतिक हित में बैठता है। यह दिलचस्प है कि असम को सर प्रक्रिया के लिए अपवाद बनाए जाने के लिए, वहां कुछ ही वर्ष पहले जो एनआरसी या राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर प्रक्रिया हो चुकी होने की दलील दी गयी है, वर्तमान एसआइआर पर उसी प्रक्रिया का आवरण होने के इल्जाम लगते रहे हैं। वैसे दिलचस्प यह भी है कि असम में एनआरसी की प्रक्रिया से बहुत बड़ी संख्या में कथित बांग्लादेशी पकड़े जाने की उम्मीद में, इस बहुत महंगी तथा आम लोगों के लिए बहुत ही तकलीफदेह प्रक्रिया का जोर-शोर से समर्थन करने वाले, भाजपायी राज्य सरकार समेत आरएसएस विचार-परिवार के लोग संगठनों को तब सांप सूंघ गया, जब इस प्रक्रिया के नतीजे सामने आये। बेशक, एनआरसी की प्रक्रिया में लगभग 20 लाख लोगों को "पराया" बताया गया था, लेकिन संघ-भाजपा की उम्मीदों के विपरीत, उनमें प्रचंड बहुमत हिंदुओं का था, जिनमें बांग्लादेश से आए हिंदुओं के अलावा एक बड़ी संख्या देश के दूसरे हिस्सों से आकर पिछले अनेक वर्षों में असम में बस गए हिंदुओं की थी। नतीजा यह कि नरेंद्र मोदी के डबल इंजन राज में असम में, एनआरसी की उक्त कसरत के नतीजों को कई वर्ष बाद भी अंतिम रूप देकर प्रकाशित किया ही नहीं जा सका है। बिहार का, जहां सर की प्रक्रिया विधानसभा चुनाव से पहले पूरी करा ली गयी गयी थी और अन्य करीब दस राज्यों का इस प्रक्रिया का अब तक का अनुभव इसका गवाह है कि असम की एनआरसी की तरह, सर प्रक्रिया भी कथित विदेशी घुसपैठियों की पहचान करने में बुरी तरह से विफल ही रही है। और यह वर्तमान सरकार तब ही उसके संचालक संघ परिवार के प्रयासों में किसी कमी की

वजह से नहीं है। यह सबसे बढ़कर इसलिए है कि घुसपैठ और खासतौर पर बांग्लादेशियों की घुसपैठ, संघ परिवार द्वारा निरंतर प्रचार के जरिए गढ़ा गया एक सांप्रदायिक मिथक है। अशांति के दौरों को छोड़कर, अवैध रूप से सीमा पार कर के भारतीय इलाकों में बसने की कोई आम प्रवृत्ति, कम से कम पिछले अनेक वर्षों से नहीं देखने में आयी है। लेकिन, "घुसपैठियों" के खतरे का मिथक, संघ-भाजपा के राजनीतिक तरकश का इतना महत्वपूर्ण तीर है कि किसी भी जांच के नतीजे उन्हें यह झूठा हौवा खड़ा करने से रोक नहीं सकते हैं। तभी तो हालांकि, बिहार में एसआइआर में, भाजपा तथा संघ परिवार ही नहीं, खुद चुनाव आयोग के सारे प्रचार के बावजूद, अंततः विदेशी होने के लिए मतदाता सूची से काटे गए नामों की संख्या सैकड़ों छोड़, दर्जनों में भी नहीं निकली थी। इसके बावजूद, खुद मोदी-शाह की जोड़ी के नेतृत्व में भाजपा ने घुसपैठियों के खतरे के बेइतिहा शोर मचाया था और अपने विरोधियों को, घुसपैठियों का सरपरस्त साबित करने के लिए पूरा पूरा लगाया था। वैसे इसका कारण समझना भी मुश्किल नहीं है। संघ-भाजपा की शब्दावली में, जब "घुसपैठिया" शब्द का प्रयोग किया जाता है, तो निशाना मुसलमानों पर होता है। और जब अपने विरोधियों को घुसपैठियों का संश्लेषक कहा जाता है, तो वास्तव में बहुसंख्यक समुदाय को यह संदेश दिया जा रहा होता है कि भाजपा के विरोधी, मुसलमानों के साथ हैं। हेरानी की बात नहीं है कि खासतौर पर प. बंगाल तथा असम के, आगामी चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले के सघन दौरों में, मोदी-शाह को जोड़ी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अपने प्रमुख हथियार के तौर पर, "घुसपैठियों के खतरे" और उससे लड़ने की झूठी मुद्राओं का जमकर इस्तेमाल करना शुरू भी कर चुकी है।

डीएम ने किया ऋषियन आश्रम की गुफाओं का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) द्वारा संरक्षित स्मारक भर देउल मंदिर बरहा कोटरा तथा ऋषियन आश्रम के नाम से प्रसिद्ध दो विशाल गुफाओं का जिलाधिकारी पुलाकित गर्ग ने गुरुवार को स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्मारकों की वर्तमान स्थिति, संरक्षण की आवश्यकताओं एवं आगंतुक सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया। बरहा कोटरा में पुरातत्व विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही संरक्षण एवं सुव्यवस्था के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कहा कि स्मारक स्थलों पर सूचनात्मक बोर्ड लगाए जाए तथा नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएं। पर्यटकों की सुविधा एवं सुरक्षा के समुचित उपाय करते हुए संरक्षण मानकों के अनुरूप रखरखाव से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संपादित किया जाए। निर्देश दिए कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण प्रभावी रूप से हो सके और आमजन एवं पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्राप्त हो। डीएम ने संबंधित विभागों को आपस में

समन्वय बनाकर समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने तथा संरक्षण कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि जनपद की पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मऊ रामऋषि रमन, क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली, कार्यदायी संस्था के सहायक परियोजना प्रबंधक सहित अभियंता आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने ऋषियन आश्रम में संचालित पर्यटन विकास कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों ने डीएम को बताया कि ऋषियन आश्रम में पर्यटन विभाग द्वारा कुल 126.95 लाख रुपये की लागत से यात्री निवास, टॉयलेट ब्लॉक, घाट, इंटरलॉकिंग टाइल, हार्डिकल्चर, आरसीसी बेंच, डस्टबिन तथा मंदिर के पास स्टोन फ्लोरिंग के कार्य प्रस्तावित हैं। बताया कि यह निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यूएपीसीएल निर्माण इकाई बाँदा द्वारा कराया जा रहा है। इस दौरान डीएम ने यात्री निवास, टॉयलेट ब्लॉक, घाट, ड्रिंकिंग वॉटर, हैंड वॉश एवं साइट डेवलपमेंट से संबंधित कार्यों का फिनिशिंग कार्य प्रगति पर पाया गया। डीएम ने कार्यदायी संस्था के अवर अभियंता एवं सहायक परियोजना प्रबंधक को निर्देशित किया कि समस्त कार्यों को

गुणवत्तापूर्ण ढंग से एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। घाट के पास बनाए गए तालाब का समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। घाट की निरीक्षण कर डीएम ने खंड विकास

अधिकारी मऊ को तालाब की खुदाई करारक सौंदर्यीकरण का कार्य कराने के निर्देश दिए। निर्देशित किया कि पर्यटन विकास से जुड़े

समस्त कार्य शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएँ, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

मैनपुरी सांसद डिंपल यादव के जन्मदिन पर सदर विधायक ने किया कन्यापूजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी की मैनपुरी सांसद डिंपल यादव का जन्मदिन पार्टी पदाधिकारियों ने पहाड़ी ब्लॉक के साईपुर गांव में विशाल कन्याभोज का आयोजन कर एवं केक काटकर मनाया। इस दौरान क्षेत्र की 2100 कन्याओं के पैर धोकर सपाईयों ने आशीर्वाद प्राप्त किया।

मैनपुरी सांसद डिंपल यादव के जन्मदिन के अवसर पर सदर विधायक अनिल प्रधान द्वारा पहाड़ी ब्लॉक की ग्राम पंचायत साईपुर पहाड़ी में विशाल कन्याभोज का आयोजन किया गया। जिसमें सदर विधायक सहित पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की लगभग 2100 कन्याओं के पैर धोकर आशीर्वाद प्राप्त कर कन्याभोज कराया। साथ ही केक काटकर उत्साह और सामाजिक समरसता के साथ जन्मदिन मनाया। इस दौरान सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि मैनुपरी सांसद डिंपल यादव मातृशक्ति की हक और अधिकार की आवाज बुलंद करती हैं। सपाईयों ने मैनपुरी सांसद डिंपल यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस मौके पर सदर विधानसभा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव, पूर्व प्रत्याशी नगर पंचायत राजापुर प्रिस केसरवानी, जिला उपाध्यक्ष अरशद खान, नगर अध्यक्ष राजापुर नवनीत सोनी, जिला पंचायत सदस्य सरधुवा दयाराम यादव, सपा नेता राजाबाबू यादव, विद्यासागर यादव, कल्लू यादव, अजीत यादव, शत्रुघ्न यादव, कमलेश यादव, आनंद यादव, राजेंद्र यादव, हरिमोहन यादव, अब्दुल अफजल, मनीष विश्वकर्मा, कुलदीप यादव, मंगल यादव, प्रहलाद यादव, सुरेश यादव, रामनारायण यादव, महेंद्र यादव, सत्यम यादव, अजीत यादव, आलादीन, संतोष यादव, अरुण कोटार्य, रामलाल वर्मा, रज्जुन अली, संतोष वर्मा, देवकुमार यादव, राममिलन यादव, पप्पू कुशवाहा, रामआसरे, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

भरतकूप मेले में मकर संक्रांति पर उमड़े लाखों श्रद्धालु, मंदिर से 2 किमी तक जाम

चित्रकूट। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर चित्रकूट जिले के सदर ब्लॉक क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक भरतकूप में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में देश-प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने और धार्मिक पुण्य लाभ अर्जित करने पहुंचते हैं। मेले के पहले ही दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। भरतकूप स्थित भरत मंदिर के दर्शन के लिए सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु यहां बने पौराणिक कूप (कुएं) का पवित्र जल पीकर स्वयं को धन्य मान रहे हैं। मान्यता है कि वनवास काल के

कि मंदिर से करीब 2 किलोमीटर पहले ही वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। चारों ओर श्रद्धालुओं का सैलाब दिखाई दे रहा था और पैदल चलना तक मुश्किल हो गया, वहीं वाहन रेंग-रेंगकर आगे बढ़ते रहे। भीड़ और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ लगातार मोर्चा संभाले हुए हैं। पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं को सुरक्षित दर्शन कराने, जाम खुलवाने और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात हैं और अनाउंसमेंट के जरिए लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है। धार्मिक आस्था के साथ-साथ मेले में स्थानीय बाजार की रौनक भी देखने को मिल रही है। बच्चों के लिए झूले, खिलौने और खेल-कूद का सामान आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वहीं महिलाएं और परिवारजन घरेलू उपयोग की वस्तुएं, पुजा सामग्री और अन्य सामान खरीदते नजर आए। खाने-पीने की दुकानों पर भी अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

खोहर गांव की बस्ती में बुंदेली मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा किया गया कंबल वितरण

अखंड भारत संदेश

डॉ. एस.सी. गर्ग की स्मृति में जरूरतमंदों को मिली राहत

आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 150 गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के

संचालक अशोक मोर्य, समाजसेवी आकाश द्विवेदी, शुभम द्विवेदी, विकास मिश्रा व डॉ गोरिलाल साहू ने स्व. डॉ. एस.सी. गर्ग के समाज सेवा के कार्यों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने जीवनभर गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के उत्थान के लिए कार्य किया। उन्हीं की प्रेरणा से आज बुंदेली मानव सेवा ट्रस्ट ग्रामीण अंचलों में सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। कंबल

पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। ग्रामीणों ने ट्रस्ट के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ठंड में यह सहायता उनके लिए बहुत बड़ी राहत है। इस अवसर पर बुंदेली मानव सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी, स्वयंसेवक एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। ट्रस्ट ने भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया।

क्षत्रिय कल्याण परिषद ने मनाया स्थापना दिवस

चित्रकूट। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद का 12वां स्थापना दिवस गुरुवार को मानिकपुर की ग्राम नयाचन्द्रा में कार्यक्रम का अयोजन कर मनाया गया। संगठन पदाधिकारियों ने भगवान श्रीराम, महाराणा प्रताप, राणा सांगा व पृथ्वीराज चैहान के चित्रों पर माल्यार्पण कर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए पदाधिकारी राधेवंद्र सिंह चैहान ने संगठन की जानकारी दी। प्रवक्ता अभिजीत सिंह ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों और भविष्य में गांव और समाज की उन्नति में संगठन की योगदान की जानकारी दी। इस दौरान गांव के प्रगतिशील किसानों और समाजसेवियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उमराव सिंह, गजराज सिंह, विजय सिंह, जीत नारायण द्विवेदी, नारायण द्विवेदी, इंद्र कुमार द्विवेदी, राजधर सिंह, गोविन्द सिंह, ललक सिंह, सरदार सिंह, प्रदीप सिंह, गोविंद सिंह चैहान, नरेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, कपूर सिंह, लवलेश सिंह, अमित द्विवेदी, छोटे सिंह, अजय सिंह, अमर सिंह, सुशील कुमार सिंह, रूपेंद्र सिंह, श्याम सिंह, मंगलेश्वर

सिंह, इंद्राज सिंह, शक्ति सिंह, विकास सिंह, अंकित सिंह, राजेश सिंह, रविंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, अनिल सिंह, नितेश सिंह, धीरज सिंह, श्याम लाल यादव, राजाराम यादव, पप्पू यादव, कमलेश यादव, धीरज यादव, कुशल यादव, कल्लू यादव, लाला यादव, सरवन कुमार, राहुल कुमार, रामचंद्र, आदित्य कुमार आदि मौजूद रहे।

बसपा मुखिया बहन कुमारी मायावती का धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को जिला मुख्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बसपा जिला

इकाई द्वारा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवबाबू वर्मा के नेतृत्व में केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया। इसके बाद सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मंडल मुख्यालय बांदा में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए बांदा रवाना हुए। कार्यक्रम में पार्टी नेताओं ने

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के सामाजिक न्याय, दलित-वंचितों के उत्थान और सुशासन के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व बहुजन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस मौके पर चित्रकूट धाम मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी मान सिंह कुशवाहा, अमरेंद्र

विक्रम विक्रांत यादव, तीरथ सिंह पटेल, रामकुमार वर्मा, सोनपाल वर्मा, सादिक हुसैन, धानी निषाद, विनय कुमार पाल, प्रखर पटेल, रोहित सिंह पटेल, बृजमोहन वर्मा, नाथूराम वर्मा, अरुण कुमार पाल, वीरेंद्र कुमार पासी, शिवबाबू गर्ग, अखिलेश कुमार वर्मा, चैतुराम वर्मा, रामभजन वर्मा आदि मौजूद रहे।

12000Cr के चावल निर्यात पर संकट, सेब, खजूर और कीवी हो जाएंगे महंगे

अमेरिका डोनाल्ड ट्रंप एक ऐसा नाम जिसे आज तक पूरी दुनिया ठीक से समझ नहीं पाई है। जब लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप अब थोड़ा सा संतुलित और सामान्य व्यवहार करेंगे तभी वह कुछ ऐसा बयान दे देते हैं या फैसला ले लेते हैं जो सबको चौंका कर रख देता है। कभी वह भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए नजर आते हैं तो कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सबसे करीबी और भरोसेमंद दोस्त बताते हैं। कभी भारत पर 75% टैरिफ लगाने की बातें करते हैं तो कभी कहते हैं कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती किसी राजनीतिक मजबूरी की नहीं बल्कि दिल से निभाई जाने वाली दोस्ती है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी समय भारत का दौरा कर सकते हैं और अगर ऐसा होता है तो यह दौरा भारत और अमेरिका के संबंधों की दिशा और दशा को दोनों तरीके से पूरी पलट कर रख देगा। इतना ही नहीं भारत में अमेरिका के नए राजदूत ने भी एक ऐसी घोषणा की है जिसे भारत के लिए बड़ी खुशखबरी माना जा रहा है।

25% टैरिफ का भारत पर असर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ कारोबार कर रहे देशों पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने यह ऐलान ईरान में बढ़ते हिंसक प्रदर्शनों के बीच किया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि अमेरिका द्वारा ईरान के व्यापारिक साझेदारों पर घोषित 25% टैरिफ का भारत पर कितना प्रभाव पड़ने की संभावना है। वैसे तो भारत के लिए, ईरान शीर्ष 50 वैश्विक व्यापारिक साझेदारों में भी शामिल नहीं है और ईरान का सबसे अधिक कारोबार चीन के साथ होता है। लेकिन भारत समेत कुछ और देशों से भी इसके तगड़े कारोबारी संबंध हैं। ईरान में भारतीय एबेसी के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में भारत से ईरान को \$124 करोड़ का निर्यात हुआ तो ईरान से \$44



करोड़ आयात हुआ। भारत से ईरान बासमती चावल, चाय, चीन, ताजे फल और दवाईयां गईं तो वहां से सेब, पिस्ता, खजूर और कीवी आए। ट्रेडिंग इकॉनॉमिक्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में के निर्यात में \$69.85 करोड़ की बिक्री के साथ सबसे अधिक अनाज की हिस्सेदारी रही जबकि \$51.29 करोड़ की खरीदारी के साथ ऑर्गेनिक केमिकल्स की ईरान से आयात में सबसे अधिक हिस्सेदारी रही। **चावल, सेब, कीवी, खजूर हो जाएंगे महंगे** ईरान पारंपरिक तौर पर भारतीय बासमती चावल के सबसे बड़े खरीदारों में शामिल रहा है। हर साल भारत से करीब 12 लाख टन बासमती ईरान को निर्यात किया जाता है और इनकी कीमत अनुमानित 12000 करोड़ रुपये के आस-पास है। भारत-ईरान ट्रेड डेटा देखने से पता चलता है कि ईरान से भारत में सेब,

कीवी, खजूर के अलावा अन्य ड्राई फ्रूट्स की बड़ी मात्रा में आते हैं। **ईरान में विरोध प्रदर्शन** ईरान में पिछले कई हफ्तों से बड़े पैमाने पर अशांति फैली हुई है, जिसकी शुरुआत मुद्रा संकट और बिगड़ती आर्थिक स्थिति से हुई थी, लेकिन अब इसका निशाना सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली इस्लामी सरकार के खिलाफ बढ़ता जा रहा है। मौजूदा अशांति 1979 के बाद से इस्लामी गणराज्य की शासन प्रणाली के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि खामेनेई की सरकार ने पहले भी विरोध प्रदर्शनों का सामना किया है, लेकिन ये प्रदर्शन फैलते जा रहे हैं और सप्ताहांत में देश भर में लाखों लोग शामिल हुए। मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने प्रदर्शनों को कुचलने की कोशिश की है, जिसमें अब तक

लगभग 600 लोग मारे गए हैं और 10,000 से अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं। **ट्रंप की चेतावनी** ट्रंप ने खुले तौर पर प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है और तेहरान को प्रदर्शनों को हिंसक रूप से दबाने के खिलाफ चेतावनी दी है। पिछले हफ्ते फॉक्स न्यूज पर एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि अगर ईरान प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाना जारी रखता है तो अमेरिका ईरान को तगड़ा जवाब देगा। ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि ईरानी नेतृत्व ने बातचीत के लिए संपर्क किया है और एक बैठक की व्यवस्था की जा रही है, हालांकि उन्होंने समय के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। फिर भी, उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन संभावित विकल्पों पर विचार कर रहा है और संकेत दिया कि वह ईरान के जवाब में सहयोगियों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

कनाडा की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी का पदार्फाश, दुबई से लौटे अरसलान चौधरी को पकड़ा गया

कनाडा कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी के मामले में पुलिस ने आठवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को टोरंटो प्रियासन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अरसलान चौधरी को पकड़ा है। वह दुबई से उड़ान भरकर टोरंटो पहुंचा था। पुलिस ने बताया कि 2023 में टोरंटो एयरपोर्ट से 7180 करोड़ से ज्यादा कीमत का सोना चोरी हुआ था। इस मामले में एक अन्य आरोपी के भारत में होने का भी दावा किया गया है। पुलिस ने बताया कि 2023 में टोरंटो एयरपोर्ट से 7180 करोड़ से ज्यादा कीमत का सोना चोरी हुआ था। इस मामले में एक अन्य आरोपी के भारत में होने का भी दावा किया गया है। पुलिस के मुताबिक अरसलान चौधरी पर \$5000 से अधिक की चोरी अपराध से हासिल संपत्ति रखने और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोजेक्ट 24 के नाम से चल रही जांच का अहम हिस्सा है। जांच में सामने आया है



कि बैपटन निवासी 33 वर्षीय सिमरनप्रीत पनेसर ने इस चोरी में अहम भूमिका निभाई है। पनेसर एयर कनाडा का पूर्व कर्मचारी है और उस पर एयरलाइन सिस्टम से छेड़छाड़ कर कारगो को डायवर्ट करने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि वह फिलहाल भारत में हो सकता है और उसके खिलाफ कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को आरोपी बनाया जा चुका है। अरसलान चौधरी कौन है अधिकारियों ने बताया कि चौधरी का कोई स्थायी पता नहीं है। सीबीएस के अनुसार, वह पहले ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में रह रहा था।

समाचार चैनल ने पुलिस के हवाले से यह भी बताया कि चौधरी इस मामले से जुड़े "बाहरी" समूह का हिस्सा था, जो कथित अंदरूनी नेटवर्क से अलग था।

सीबीएस न्यूज ने आगे बताया कि जांचकर्ताओं का मानना ​​है कि चौधरी ने एयर कनाडा कार्गो से सोने को हटाए जाने के बाद उसकी चोरी की गई मात्रा को बढ़ाने और उसे कनाडा से बाहर ले जाने में मदद की। रिपोर्ट में अभियोजकों द्वारा लगाए गए उन आरोपों का भी जिक्र किया गया है जिनमें अपराध की योजना बनाने और अपराध के बाद की गतिविधियों में उनकी सलिपता बताई गई है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर

योग सत्संग समिति

द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान

झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

से प्रकाशित

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक

अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:

9565333000

Email:

akhandbharratsandesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र

प्रयागराज होगा

पाकिस्तान की 1963 वाली वो हरकत, जिसको लेकर आज भारत-चीन भिड़े

चीन चाहे साउथ चाइना सी हो, डोकलाम हो, गलवान हो या फिर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर हो। चीन सिर्फ एक ही पॉलिसी को अपनाता है वो है डिनाई, डिले एंड डोमिनेट। चीन के इस पैटर्न को हम सभी ने काफी करीब से समझा है। जहां पर चीन एक तरफ तो हमसे पीसफुल हाथ बड़ाएगा। दूसरी तरफ कोई ना कोई डिस्टर्बेंस क्रिएट करने की कोशिश करता रहता है। जिस तरीके से भारत और अमेरिका के बीच में रिश्ते तल्लखों पर चल रहे थे। जिस तरीके से चीन और अमेरिका के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। जिसके बाद से कहा जा रहा था कि भारत और चीन के बीच रिश्ते अच्छे हो सकते हैं। वहीं पर ही चीन ने एक और काम कर दिया है। चीन ने एक बार फिर से भारत

के इलाके पर दावा करके विवाद पैदा कर दिया है। भारत के जम्मू-कश्मीर का हिस्सा शक्सगाम घाटी पर चीन ने दावा ठोक दिया है। इसके चलते दोनों देशों के बीच एक बार फिर से तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। 1963 में इस इलाके को चीन को सौंप दिया शक्सगाम घाटी भारत के जम्मू-कश्मीर का हिस्सा रहा है। किंतु 1947-48 की जंग के दौरान पाकिस्तान ने इस इलाके पर अवैध कब्जा जमा लिया था। पाकिस्तान ने 1963 में इस इलाके को चीन को सौंप दिया था, जो वास्तव में भारत का हिस्सा है। इसका क्षेत्रफल 5,180 वर्ग किलोमीटर है। इसे पाकिस्तान ने सिनो पाकिस्तान बार्डर एग्रीमेंट करार दिया था। भारत इस एग्रीमेंट को खारिज करता है।



वजह यह कि पूरा इलाका संवैधानिक तौर पर भारत का ही है। भारत का स्टैंड विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा हम तथाकथित चीन-

पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को भी मान्यता नहीं देते, क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है जिसपर पाकिस्तान का अवैध और जबरन कब्जा है। जायसवाल की टिप्पणियों पर

प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्रस्वसे पहले तो जिस क्षेत्र का आप उल्लेख कर रहे हैं, वह चीन का हिस्सा है। हम तथ्यांकित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को भी मान्यता नहीं देते, क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिसपर पाकिस्तान का अवैध और जबरन कब्जा है। जायसवाल ने कहा कि पूरा जम्मू

कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यह बात पाकिस्तानी और चीनी अधिकारियों को कई बार स्पष्ट रूप से बता दी गई है। बोखलाया चीन जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सबसे पहले तो जिस क्षेत्र का आप उल्लेख कर रहे हैं, वह चीन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अपने ही क्षेत्र में चीन की बुनियादी ढांचा गतिविधियां बिल्कुल उचित हैं। माओ ने कहा कि चीन और पाकिस्तान ने 1960 के दशक में सीमा समझौता किया था और दोनों देशों के बीच सीमा तय की गई थी।

अमेरिका के टैरिफ वॉर का असर, ट्रेड बढ़ाने भारत आ रहे कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी

● अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न आर्थिक दबाव के जवाब में, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी व्यापार विविधीकरण के लक्ष्य से भारत का दौरा करेंगे, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाना और दो साल के राजनयिक तनाव के बाद संबंधों को सुधारना है।

कनाडा कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि ओटावा अपने वैश्विक व्यापार परिदृश्य में विविधता लाने के लिए अगले दशक तक अमेरिका के बाहर अपने निर्यात को दोगुना कर देगा। इस पर कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा कि दो साल से अधिक समय से तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय व्यापार विस्तार के लिए आने वाले हफ्तों में भारत की यात्रा करने वाले हैं। सीबीसी के पावर एंड पॉलिटिक्स कार्यक्रम में भारतीय राजदूत ने कहा कि कार्नी की भारत यात्रा का उद्देश्य अमेरिका द्वारा अपने सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार पर लगाए गए उच्च टैरिफ के बीच कनाडा के व्यापारिक साझेदारों में विविधता लाना है।



भारत और कनाडा दोनों ही अपने निर्यात पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क का सामना कर रहे हैं: भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क, जिसमें से 25 प्रतिशत नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद के कारण है, और कनाडा पर 35 प्रतिशत शुल्क। कार्नी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में, कनाडा की नई सरकार उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं। हम अगले दशक में अपने गैर-अमेरिकी निर्यात को दोगुना करने जा रहे हैं - ताकि कनाडाई व्यवसायों के लिए नए अवसर सुरक्षित किए जा सकें और कनाडाई श्रमिकों के लिए हजारों नए रोजगार सृजित किए जा सकें। सीबीसी से बात करते हुए पटनायक ने कहा कि कार्नी की यात्रा 1 फरवरी को भारत द्वारा अपना केंद्रीय बजट पेश करने के बाद होने की उम्मीद है, और उन्होंने इस नए सिर से शुरू हुए संबंधों को इस बात का संकेत बताया कि "व्यवस्था में विश्वास वापस आ गया है। उन्होंने आगे

कहा कि राजनयिक संबंधों में "मामूली अंतराल" के कारण क्लिंबित पहलों को "पूरा करने" के लिए काम कर रहे हैं। पटनायक ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सरकार ने किसी भी तरह की सलिपता से इनकार किया है और कहा कि हमने हमेशा यही कहा है कि यह बेतुका और हास्यास्पद है। हम ऐसा नहीं करते हैं और यह भी कहा कि "भारत सरकार के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। राजदूत ने आगे कहा कि वर्तमान नेतृत्व में कनाडा का दृष्टिकोण बदल रहा है और सीबीसी के अनुसार, "एक नए प्रधानमंत्री हैं जो कनाडा के व्यवहार को बदल रहे हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव 2023 में शुरू हुआ जब भारत ने खालिस्तानी अलगाववादी तत्वों के प्रति कनाडा की कथित नरमी पर चिंता व्यक्त की और उसी वर्ष एक गुरुद्वारे के बाहर एनआईए द्वारा नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के भारतीय एजेंटों की सलिपता के पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर भी चिंता जताई।

नेपाल ने अपने नागरिकों के लिए जारी की Travel Advisory

ईरान ईरान में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों और अधिकारियों द्वारा बल प्रयोग किए जाने के मद्देनजर नेपाल के विदेश मंत्रालय ने ईरान के लिए एक चेतावनी जारी की है। बढ़ती महंगाई के खिलाफ सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं और सुधारों की मांग कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, अधिकारियों ने गोलीबारी की है, जिसमें अब तक सैकड़ों लोग हताहत हुए हैं। स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान में रह रहे और काम कर रहे नेपाली नागरिकों को ईरान के सक्षम

अधिकारियों की सुरक्षा सलाह का पालन करने, घर के अंदर रहने, सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। इसके बाद, मंत्रालय ने अपने नागरिकों से मौजूदा अशांति के मद्देनजर यात्रा रोकने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा, "इसी तरह, मंत्रालय ईरान की यात्रा की योजना बना रहे सभी नेपाली नागरिकों से आग्रह करता है कि वे देश में स्थिति सामान्य होने तक अपनी यात्रा रद्द कर दें। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों की सहायता के लिए अजापतकालीन संपर्क विवरण भी जारी किए हैं।

अमेरिकी मिलिट्री बेस करो बाहर! फ्रांस छोड़ेगा NATO?



अमेरिका आदेश दे और यूरोप फॉलो करें। फ्रांस अब कह रहा अब तो बिल्कुल नहीं। फ्रांस का तर्क बहुत साफ है। रेजोल्यूशन में कहा गया है कि नाटो एक ऐसा मिलिट्री ब्लॉक बन चुका है जो अमेरिका के हित के

लिए काम करता है। यूरोप की सुरक्षा से ज्यादा अमेरिका की राजनीति को प्राथमिकता देता है और यही फ्रांस को मंजूर नहीं है। ध्यान रखिए फ्रांस एक न्यूक्लियर पावर है। यूरोप की सबसे ताकतवर आर्मी फ्रांस के

पास है। यूएनएससी का परमानेंट मेंबर भी है और ईयू की सबसे मजबूत मिलिट्री ताकतों में से एक है। अगर फ्रांस नाटो से दूरी बना लेता है तो यह अमेरिका के लिए सिंबॉलिक नहीं स्ट्रेटेजिक झटका होगा। इस रेजोल्यूशन में एक अहम बात ग्रीनलैंड है। फ्रांस ने खुलकर कहा कि अमेरिका जिस तरह ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख दिखा रहा फ्रांस उसे सपोर्ट नहीं करता है। मतलब साफ है यूरोप अब अमेरिकी विस्तारवाद का बोझ नहीं उठाना चाहता है। यूरोपीय यूनियन की पार्लियामेंटी में मेबरस ऑफ यूरोपियन पार्लियामेंट यानी कि एमईपीएस खुले तौर पर कह रहे हैं कि या तो यूएसयू ट्रेड डील को फ्रीज किया जाए या सस्पेंड किया जाए या फिर अमेरिका के खिलाफ काउंटर प्रतिबंध लगा दिए जाए। यह बात सिर्फ एक पार्टी नहीं कह रही।